परिष्कारक की आग

आशीष रायचूर

केवल निःशुल्क वितरण के लिए
ऑल पीपल्स चर्च एण्ड वर्ल्ड आउटरीच, बैंगलोर, भारत द्वारा निर्मित और वितरित।
वर्तमान संस्करण: 2024

संपर्क जानकारी
All Peoples Church & World Outreach,
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email**: bookrequest@apcwo.org**
Website: **apcwo.org**

जब तक, अन्य रूप से संकेत न दिया गया हो, धर्मशास्त्र के सभी संदर्भ पवित्र बाइबल द बाइबल सोसायटी ऑफ इंडिया(BSI) द्वारा प्रकाशित, पुराने संस्करण से अनुमति सहित लिए गए हैं। सर्वाधिकार आरक्षित हैं। आर्थिक साझेदारी

आर्थिक साझेदारी
इस पुस्तक का निःशुल्क वितरण ऑल पीपल्स चर्च के सदस्यों, सहभागियों और मित्रों की आर्थिक सहायता के कारण संभव हुआ है। यदि आपने इस निःशुल्क प्रकाशन के माध्यम से आशीष पाई है, तो हम आपको ऑल पीपल्स चर्च के निःशुल्क प्रकाशनों के मुद्रण और वितरण में सहायता हेतु आर्थिक रूप से योगदान देने हेतु आमंत्रित करते हैं। कृपया **apcwo.org/give** पर जाइए या अपना योगदान कैसे करें, यह देखने हेतु इस पुस्तक के पीछे "ऑल पीपल्स चर्च के साथ प्रतिभागिता" पृष्ठ को देखीए। धन्यवाद!

निःशुल्क संसाधन और संबंधित वेबसाइटें
उपदेश: apcwo.org/sermons। **पुस्तकें:** apcwo.org/books। **चर्च ऐप:** apcwo.org/app
बाइबल कॉलेज: apcbiblecollege.org। **ई लर्निंग:** apcbiblecollege.org/elearn
परामर्श सेवा: chrysalislife.org । **संगीत:** apcmusic.org
मिनिस्टर्स फेलोशिप: pamfi.org। **एपीसी वर्ल्ड मिशन्स:** apcworldmissions.org

(Hindi – The Refiner's Fire)

परिष्कारक की आग

विषयसूची

1. शुद्ध करने वाला काम कर रहा है 1
2. शुद्धिकरण के लिए आग 4
3. परीक्षा के लिए आग 6
4. आग क्या है 9
5. हर एक जन आग से नमकीन किया जाएगा 15
6. जब हम आग से होकर गुजरेंगे 17
7. इन सब का मूल्य 20

1
शुद्ध करने वाला काम कर रहा है

जकर्याह 13:9
उस तिहाई को मैं आग में डाल कर ऐसा निर्मल करूंगा, जैसा रूपा निर्मल किया जाता है, और ऐसा जाचूंगा जैसा सोना जांचा जाता है। वे मुझ से प्रार्थना किया करेंगे, और मैं उनकी सुनूंगा। मैं उनके विषय में कहूंगा, ये मेरी प्रजा हैं, और वे मेरे विषय में कहेंगे, यहोवा हमारा परमेश्वर है'।

भजन संहिता 66:10-12
10 क्योंकि हे परमेश्वर तू ने हम को जांचा; तू ने हमें चान्दी की नाईं ताया था।
11 तू ने हम को जाल में फंसाया; और हमारी कटि पर भारी बोझ बान्धा था;
12 तू ने घुड़चढ़ों को हमारे सिरों के ऊपर से चलाया, हम आग और जल से होकर गए; परन्तु तू ने हम को उबार के सुख से भर दिया है।

एक निपुण शुद्ध करने वाला, चाहे वह सोने या चांदी का काम करने वाला हो, मिश्रित धातु से शुद्ध धातु को अलग करना जानता है। वह कच्ची धातु को सोनार अर्थात शुद्ध करने वाले बर्तन या भट्टी में पिघलाता है। चांदी के शोधन की प्रक्रिया में, कच्ची धातु में सीसा मिलाया जाता है। जैसे-जैसे मिश्रित धातुएं निकाली जाती हैं, सीसा भस्म हो जाता है। एक बार जब गंदगी अर्थात् अशुद्धियां, दूर की जाती हैं, तब धातु को उपयोगी और सजावटी वस्तुओं में ढ़ाला जा सकता है। इस प्रक्रिया में ढ़लाई, हथोड़े से पीटना, परत चढ़ाना, और ढ़कना इत्यादि शामिल है। कच्ची धातु के शोधन में आग आवश्यक है।

बाइबल सिखाती है कि परमेश्वर एक शुद्ध करने वाला है जो अपने लोगों को शुद्ध करता है। *"वह रूपे का ताने वाला और शुद्ध करने वाला बनेगा, और लेवियों को शुद्ध करेगा और उन को सोने*

रूपे की नाईं निर्मल करेगा, तब वे यहोवा की भेंट धर्म से चढ़ाएंगे" (मलाकी 3:3)। यद्यपि यह अनुच्छेद परमेश्वर द्वारा उसके लोगों के मध्य भविष्य में किए जाने वाले कार्य की ओर संकेत करता है, हम पवित्रशास्त्र से समझते हैं कि परमेश्वर इस दिन और इस घड़ी में भी अपने लोगों को शुद्ध करना चाहता है। शुद्ध करने की प्रक्रिया में आग की आवश्यकता होती है। आग का प्रयोग शुद्धिकरण और धातु के गुण को परखने के लिए होता है। परमेश्वर शुद्धता की प्रक्रिया में अग्नि का उपयोग करता है जिसमें से वह अपने लोगों को भेजता है। जब बपतिस्मा देने वाले यूहन्ना ने यीशु का परिचय दिया, उसने कहा यीशु लोगों को पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देने आया है। *"मैं तो पानी से तुम्हें मन फिराव का बपतिस्मा देता हूं, परन्तु जो मेरे बाद आनेवाला है, वह मुझ से शक्तिशाली है; मैं उस की जूती उठाने के योग्य नहीं, वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा"* (मत्ती 3:11)।

"शुद्ध करने" के लिए इब्रानी शब्द *'सर्राफ,'* है जिसका तात्पर्य है "पिघलाना," "परिशुद्ध," "शुद्ध करना," "आग में तपाना," "जांचना," और "परखना"। इस क्रिया का प्रयोग पिघलाने की प्रक्रिया का उल्लेख करने हेतु किया गया है जिसके द्वारा कीमती धातुओं से अशुद्धियों को दूर किया जाता है। हम यह जानने के लिए पवित्रशास्त्र की जांच करेंगे कि वह अग्नि क्या है जिसका उपयोग परमेश्वर अपने लोगों को शुद्ध करने हेतु करता है। उन तरीकों के बारे में जानना रोमांचक है कि परमेश्वर उन लोगों के हृदय और जीवन में किस प्रकार कार्य करता है जिन्होंने अपने आप को उसे समर्पित किया है। जितना अधिक हम परमेश्वर के कार्य करने और उसके लोगों के साथ व्यवहार करने के तरीकों और नमूनों के बारे में जानते हैं, उसके प्रति समर्पित होना और उसके साथ कदम मिलाकर चलना उतना ही सरल हो जाता है। ऐसा तब होता है जब हम उसके कार्य करने के तरीकों से अनभिज्ञ होते हैं जिनके द्वारा वह कार्य करता है, और हम ढीठ बन जाते हैं और हम

अपने ही मार्गों पर चलना चाहते हैं। परमेश्वर हमें यह पहचानने के लिए अनुग्रह प्रदान करता है कि हमारा परमेश्वर अपने लोगों के सोनार अर्थात शुद्ध करने वाले और पवित्र करने वाले के रूप में विराजमान है। यीशु ऐसी कलीसिया के लिए आएगा जो बेदाग और बेझुर्री है। इसके लिए शुद्धिकरण की प्रक्रिया की आवश्यकता होगी। यह पुस्तक हमें परमेश्वर के मार्गों और उद्देश्यों के बारे में और बुद्धिमान बनाती है।

2
शुद्धिकरण के लिए आग

भजन संहिता 51:6
देख, तू हृदय की सच्चाई से प्रसन्न होता है; और मेरे मन ही में ज्ञान सिखाएगा।

आग शुद्धीकरण का चिन्ह है। यह शुद्धता और स्वच्छता को बनाए रखती है। जब इस्राएल के लोग युद्ध में गए और अपनी संपत्ति वापस लाए, तो परमेश्वर ने उन्हें निर्देश दिया कि वह सब कुछ जो आग का सामना कर सकता है उसे आग में से गुजारा जाना चाहिए। उसने कहा, "*जो कुछ आग में ठहर सके उसको आग में डालो, तब वह शुद्ध ठहरेगा; तोभी वह अशुद्धता छुड़ाने वाले जल के द्वारा पावन किया जाए*" (गिनती 31:23अ)। इसलिए, जो कुछ भी आग में डाला जाता है उस पर आग शुद्धिकरण का प्रभाव डालती है।

बाइबल हमें सिखाती है कि परमेश्वर हमारे आंतरिक अंगों अर्थात हमारे हृदय में सत्यता की इच्छा रखता है—हमारे भीतरी मनुष्यत्व में । इब्रानी भाषा में "सत्य," का अर्थ है "निश्चितता," "स्थिरता," और "विश्वासयोग्यता।" यह निर्भरता, दृढ़ता और विश्वासयोग्यता की भावना व्यक्त करता है। परमेश्वर इन गुणों वाले लोगों को चाहता है—सच्चे लोग, ऐसे लोग जिन्हें राज्य की शाश्वत संपत्ति सौंपी जा सकती है, ऐसे लोग जिन पर इस दिन और समय में परमेश्वर के लिए खड़े होने हेतु विश्वास किया जा सकता है।

जब परमेश्वर के लोगों ने पाप किया और दुष्टता में भटक रहे थे, परमेश्वर ने कहा, *"और मैं तुम पर हाथ बढ़ाकर तुम्हारा धातु का मैल पूरी रीति ('सर्राफ,' शुद्ध) भस्म करूंगा, और तुम्हारा रांग पूरी रीति से दूर करूंगा"* (यशायाह 1:25)। इस संदर्भ में, "मैल" और "धातु"

सांकेतिक रूप से पाप के विषय में बताते हैं। पुन: परमेश्वर इस सोनार अर्थात शुद्ध करने वाले और उसके कार्य के प्रतीक का उपयोग उस शुद्धिकरण का उल्लेख करने के लिए कर रहा था जो वह अपने लोगों के मध्य लाने वाला था। हम ऐसा ही बयान यिर्मयाह में देखते हैं।

यिर्मयाह 9:6,7

[6] तेरा निवास छल के बीच है; छल ही के कारण वे मेरा ज्ञान नहीं चाहते, यहोवा की यही वाणी है।

[7] इसलिए सेनाओं का यहोवा यों कहता है, देख, मैं उन को तपाकर परखूंगा; क्योंकि अपनी प्रजा के कारण मैं उन से और क्या कर सकता हूं?

परमेश्वर अपने लोगों को आग से होकर गुजर देता है ताकि वह उन्हें शुद्ध करे और उन्हें ऐसे लोगों में परिवर्तित कर सके जिनका भीतरी मनुष्यत्व सच्चा हो । भजनकार ने प्रार्थना की, *"हे परमेश्वर, मेरे अन्दर शुद्ध मन उत्पन्न कर"* (भजन संहिता 51:10अ)। जब हम परमेश्वर को हमें शुद्ध करने और हमें सत्य पर चलने वाले लोग बनाने की अनुमति देते हैं तब हमारी प्रार्थना भी यही होनी चाहिए। स्वर्गदूत ने दानिय्येल को अंत के दिनों के विषय में जो बताया उसे पढ़ना अद्‌भुत होगा। *"बहुत लोग तो अपने अपने को निर्मल और उजले करेंगे, और स्वच्छ हो जाएंगे"* (दानिय्येल 12:10अ)। मैं उन *"बहुतों"* का भाग बनना चाहूंगा जो अपने को निर्मल और उजले करेंगे और स्वच्छ हो जाएंगे। मैं विश्वास करता हूं आप भी ऐसा ही करेंगे!

3
परीक्षा के लिए आग

भजन संहिता 7:9आ
क्योंकि धर्मी परमेश्वर मन और मर्म का ज्ञाता है।

आग चरित्र को परखने का प्रतीक भी है। विश्वाससियों के न्याय के विषय में बताते हुए, बाइबल कहती है कि प्रत्येक का काम आग में परखा जाएगा कि वह कैसा है (1 कुरन्थियों 3:13)। आग किसी भी पदार्थ के चरित्र और वास्तविक स्वरूप को निर्धारित करती है। अत: परमेश्वर हमें आग में से ले जाता है यह देखने के लिए कि हम कैसे हैं— हमारे हृदय में वास्तव में क्या है। हां! परमेश्वर हमारे मन की भावनाओं और विचारों को जानता है। अपेक्षाकृत यह अनावश्यक लगता है कि परमेश्वर हमें और हमारे सच्चे गुणों को निर्धारित करने के लिए जांचने और परीक्षण हेतु आग के माध्यम से भेजता है। हालांकि , पवित्रशास्त्र से हम सीखते हैं कि परमेश्वर ऐसा ही करता है। वह अपने लोगों के हृदय को सोनार अर्थात शुद्ध करने वाले की आग द्वारा परखता है। *"परमेश्वर धर्मी को परखता है"* (भजन संहिता 11:5अ)। जिस प्रकार धातु को भट्टी में तपाया जाता है, उसी प्रकार परमेश्वर अपने लोगों के हृदय को परखता है। *"चान्दी के लिए कुठाली, और सोने के लिए भट्ठी होती है, परन्तु मनों को यहोवा जांचता है"* (नीतिवचन17:3)।दाऊदनेअपनीप्रार्थनामेंघोषणाकी, *"हेमेरेपरमेश्वर! मैं जानता हूं कि तू मन को जांचता है और सिधाई से प्रसन्न रहता है"* (1 इतिहास 29:17अ)। *"परीक्षा"* के लिए इब्रानी शब्द *'नासाह'* है और इसका अनुवाद "परखने," "साबित करने," और "परीक्षा लेने" के रूप में भी किया जाता है। इसमें किसी की परीक्षा लेने का मूल विचार है, यह देखने के लिए कि वह व्यक्ति कैसे प्रतिक्रिया देता है।

यह पढ़ना रोचक होगा कि किन तरीकों से परमेश्वर ने पुराने नियम में अपने लोगों की परीक्षा ली।

मूसा ने, अपनी जंगल की यात्रा के विषय में बताते हुए, इस्राएल के लोगों को बताया ...

व्यवस्थाविवरण 8:2,3

[2] और स्मरण रख कि तेरा परमेश्वर यहोवा उन चालीस वर्षों में तुझे सारे जंगल के मार्ग में से इसलिए ले आया है, कि वह तुझे नम्र बनाए, और तेरी परीक्षा करके यह जान ले कि तेरे मन में क्या क्या है, और कि तू उसकी आज्ञाओं का पालन करेगा वा नहीं।

[3] उसने तुझ को नम्र बनाया, और भूखा भी होने दिया, फिर वह मन्ना, जिसे न तू और न तेरे पुरखा ही जानते थे, वही तुझ को खिलाया; इसलिए कि वह तुझ को सिखाए कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं जीवित रहता, परन्तु जो जो वचन यहोवा के मुंह से निकलते हैं उन ही से वह जीवित रहता है।

दाऊद और यिर्मयाह दोनों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें परखने के विषय में बात की।

भजन संहिता 17:3

तू ने मेरे हृदय को जांचा है; तू ने रात को मेरी देखभाल की, तू ने मुझे परखा परन्तु कुछ भी खोटापन नहीं पाया; मैं ने ठान लिया है कि मेरे मुंह से अपराध की बात नहीं निकलेगी।

यिर्मयाह 12:3

हे यहोवा तू मुझे जानता है; तू मुझे देखता है, और तू ने मेरे मन की परीक्षा कर के देखा कि मैं तेरी ओर किस प्रकार रहता हूँ। जैसे भेड़–बकरियाँ घात होने के लिये झुण्ड में से निकाली जाती हैं, वैसे ही उन को भी निकाल ले और वध के दिन के लिए तैयार कर।

क्या आप भजनकार के समान प्रार्थना कर पाएंगे?

भजन संहिता 26:2
हे यहोवा (मुझ को जांच), **और परख; मेरे मन और हृदय को परख** (परीक्षा)।

4
आग क्या है

मलाकी 3:2
परन्तु उसके आने के दिन की कौन सह सकेगा? और जब वह दिखाई दे, तब कौन खड़ा रह सकेगा? क्योंकि वह सोनार की आग और धोबी के साबुन के समान है।

"आग" क्या है जिसे परमेश्वर अपने लोगों को शुद्ध करने के लिए भेजता है? *"भट्टी"* या *"शोधन पात्र"* क्या है जहां परमेश्वर हमें शुद्ध और पवित्र करता है? पवित्रशास्त्र के अध्ययन से हम तीन संभव निष्कर्ष तक पहुंचते हैं।

आग परमेश्वर की उपस्थिति है

व्यवस्थाविवरण 4:24
क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा भस्म करने वाली आग है; वह जल उठने वाला परमेश्वर है॥

व्यवस्थाविवरण 4:24 और इब्रानियों 12:29 हमें बताते हैं कि हमारा परमेश्वर भस्म करने वाली आग है। पुराने नियम में परमेश्वर की उपस्थिति के कई उदाहरण आग के स्पष्ट प्रकटीकरण के साथ जुड़े हैं। *"और यहोवा जो आग में हो कर सीनै पर्वत पर उतरा था, इस कारण समस्त पर्वत धुएं से भर गया"* (निर्गमन 19:18अ)। *"और इस्त्राएलियों की दृष्टि में यहोवा का तेज पर्वत की चोटी पर प्रचण्ड आग सा देख पड़ता था ..."* (निर्गमन 24:17)।

जब हम परमेश्वर की उपस्थिति में प्रवेश करते हैं, हम उसकी

उपस्थिति में प्रवेश करते हैं जो भस्म करने वाली आग है। इस संदर्भ में, *"भस्म"* करने का अर्थ है कि जो कुछ उसकी उपस्थिति में ग्रहणयोग्य नहीं है उसे जलाया और नाश कर दिया जाएगा। मैं ऐसी सभाओं और प्रार्थना में गया हूं जहां परमेश्वर की उपस्थिति एक भस्म करने वाली आग के रूप में बहुत प्रबल थी। हम केवल शांत बने रहते, और कई बार हमारे गालों से आंसू बहते थे। हम जानते थे परमेश्वर हमारे हृदय को खोजने, जांचने, शुद्ध करने, स्वच्छ करने का गहन कार्य कर रहा था। ओह! वर्तमान में हमें इसकी निरंतर बढ़ती मात्रा में आवश्यकता है। परमेश्वर स्वयं सोनार अर्थात शुद्ध करने वाले की आग की तरह है। उसकी उपस्थिति में बने रहने से हमारा शुद्धिकरण होगा।

आग परमेश्वर का वचन है

परमेश्वर यिर्मयाह 23:29अ में प्रश्न करता है, *"क्या मेरा वचन अग्नि के समान नहीं?"* परमेश्वर का वचन उस जलाने और भस्म करने वाली आग के समान है। परमेश्वर का वचन हमारे हृदयों को शुद्ध भी करता है और जांचता भी है। वह *"गांठ गांठ और गूदे को अलग करता है वार पार छेदता है ... और मन की विचारों और भावनाओं को जाँचता है"* (इब्रानियों 4:12)। हम पुराने नियम में युसूफ़ नामक व्यक्ति के विषय में पढ़ते हैं। परमेश्वर ने स्वप्नों माध्यम से बातचीत द्वारा उसे वह गौरव-शाली भविष्य दिखाया था जो उसका होने वाला था। यद्यपि उसे एक दास के रूप में बेच दिया गया और उसे एक दूर देश में ले जाया गया। उसे उसके परिवार से अलग कर दिया गया। और उसे उस दूर देश में, बिना किसी दोष के बंदीगृह में डाल दिया गया।

भजन संहिता 105:17-19

[17] उसने (परमेश्वर) **यूसुफ नाम एक पुरुष** (इस्राएल लोक) **को उन से पहिले भेजा था,**
जो दास होने के लिए बेचा गया था।
[18] लोगों ने उसके पैरों में बेड़ियां डाल कर उसे दुःख दिया;

वह लोहे की सांकलों से जकड़ा गया;
[19] जब तक कि उसकी बात पूरी न हुई
तब तक यहोवा का वचन उसे कसौटी पर कसता रहा।

यूसुफ़ क्यों उन सभी से होकर गुजरा जिनमें से वह होकर गुजरा था? उनमें से एक कारण यहां दिया गया है। परमेश्वर के वचन ने युसूफ़ को जांचा और परखा। परमेश्वर का वचन अग्नि के समान है—यह परखता और शुद्ध करता है। जब परमेश्वर हमारे हृदय से बात करता और उसके वचनों को हममें जमा करता है, तब वह वचन पूर्ण होने से पहले हममें, परखने और शुद्ध करने के कार्य को करता है।

आग परिस्थितियां, कठिनाइयां और परीक्षाएं है

हमें अनेक अवसर मिलते हैं जब परमेश्वर ने अपने लोगों के हृदयों की परीक्षा लेने के लिए परिस्थितियों एवं स्थितियों का उपयोग किया था। इन में से कुछ परिस्थितियां उसके लोगों में आज्ञाकारिता के कार्य थे जिनकी परमेश्वर ने मांग की थी । दूसरी वह असामान्य परिस्थितियां थीं जहां उसके लोगों ने स्वयं को पाया और परमेश्वर यह देखने के लिए "पीछे खड़ा" हुआ कि वे क्या करेंगे। और अब भी विभिन्न प्रकार की ज्वलंत परीक्षाएं और कष्ट की भट्टी थे जिनके द्वारा परमेश्वर के लोगों को परखा और जांचा गया था।`

अब्राहम

परमेश्वर ने अब्राहम की आज्ञाकारिता की मांग करने के द्वारा उसकी परीक्षा ली ।

उत्पत्ति 22:1,2
[1] इन बातों के पश्चात ऐसा हुआ कि परमेश्वर ने, इब्राहीम से यह कहकर उसकी परीक्षा की, कि हे अब्राहम!" उसने कहा, देख, मैं यहां हूं।
[2] उसने कहा, अपने पुत्र को अर्थात अपने एकलौते पुत्र इसहाक को, जिस से

तू प्रेम रखता है, संग ले कर मोरिय्याह देश में चला जा, और वहां उसको एक पहाड़ के ऊपर जो मैं तुझे बताऊंगा होमबलि करके चढ़ा"।

उत्पत्ति 22:12
उसने कहा, उस लड़के पर हाथ मत बढ़ा, और न उससे कुछ कर; क्योंकि तू ने जो मुझ से अपने पुत्र,, वरन अपने एकलौते पुत्र को भी, नहीं रख छोड़ा; इस से मैं अब जान गया कि तू परमेश्वर का भय मानता है"।

अब्राहम ने उस परीक्षा को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

परमेश्वर के लोग

मिस्र, गुलामी की भूमि परमेश्वर के लोगों के लिए लोहे की भट्ठी थी ।

व्यवस्थाविवरण 4:20
और तुम को यहोवा लोहे के भट्ठे के सरीखे मिस्र देश से निकाल ले आया है, इसलिए कि तुम उसकी प्रजारूपी निज भाग ठहरो, जैसा आज प्रगट है।

जैसा हम पहले भी देख चुके हैं, जंगल, एक ऐसा स्थान था जहां परमेश्वर ने अपने लोगों के हृदय को परखा।

व्यवस्थाविवरण 8:2,3
[2] और स्मरण रख कि तेरा परमेश्वर यहोवा उन चालीस वर्षों में तुझे सारे जंगल के मार्ग में से इसलिए ले आया है, कि वह तुझे नम्र बनाए, और तेरी परीक्षा करके यह जान ले कि तेरे मन में क्या क्या है, और कि तू उसकी आज्ञाओं का पालन करेगा वा नहीं।
[3] उसने तुझ को नम्र बनाया, और भूखा भी होने दिया, फिर वह मन्ना, जिसे न तू और न तेरे पुरखा ही जानते थे, वही तुझ को खिलाया; इसलिए कि वह तुझ को सिखाए कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं जीवित रहता, परन्तु जो जो वचन यहोवा के मुंह से निकलते हैं उन ही से वह जीवित रहता है।

जब परमेश्वर ने अपने लोगों को मन्ना देकर उसे एकत्रित करने के

निर्देश दिए तब वह उन्हें परख रहा था।

निर्गमन 16:4

तब यहोवा ने मूसा से कहा, देखो, मैं तुम लोगों के लिए आकाश से भोजन वस्तु बरसाऊंगा; और ये लोग प्रतिदिन बाहर जा कर प्रतिदिन का भोजन इकट्ठा करेंगे, इस से मैं उनकी परीक्षा करूंगा, कि ये मेरी व्यवस्था पर चलेंगे कि नहीं।

कभी-कभी परमेश्वर ने, झूठे भविष्यवक्ता के वचनों को पूरा होने दिया ताकि वह अपने लोगों को परखे।

व्यवस्थाविवरण 13:1-3

1 "यदि तेरे बीच कोई भविष्यद्वक्ता वा स्वप्न देखने वाला प्रगट हो कर तुझे कोई चिन्ह वा चमत्कार दिखाए,
2 और जिस चिन्ह वा चमत्कार को प्रमाण ठहराकर वह तुझ से कहे, कि आओ हम पराए देवताओं के अनुयायी हो कर, जिनसे तुम अब तक अनजान रहे, उनकी पूजा करें,
3 तब तुम उस भविष्यद्वक्ता वा स्वप्न देखने वाले के वचन पर कभी कान न धरना; क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारी परीक्षा लेगा, जिस से यह जान ले, कि ये मुझ से अपने सारे मन और सारे प्राण के साथ प्रेम रखते हैं वा नहीं?

परमेश्वर ने इस्राएलियों के विरुद्ध शत्रुओं को आक्रमण की अनुमति दी ताकि वह बाद में उन्हें अपने लोगों को परखने के लिए इस्तेमाल करे।

न्यायियों 2:20-23

20 इसलिए यहोवा का कोप इस्राएल पर भड़क उठा; और उसने कहा, इस जाति ने उस वाचा को जो मैं ने उनके पूर्वजों से बान्धी थी तोड़ दिया, और मेरी बात नहीं मानी,
21 इस कारण जिन जातियों को यहोशू मरते समय छोड़ गया है उन में से मैं अब किसी को उनके साम्हने से न निकालूंगा;

[22] जिस से उनके द्वारा मैं इस्राएलियों की परीक्षा करूं, कि जैसे उनके पूर्वज मेरे मार्ग पर चलते थे वैसे ही ये भी चलेंगे कि नहीं।
[23] इसलिए यहोवा ने उन जातियों को एकाएक न निकाला, वरन रहने दिया, और उसने उन्हें यहोशू के हाथ में भी उन को न सौंपा था।

हिजकिय्याह राजा ने स्वयं को बाबुल के दूतों के द्वारा उस परिस्थिति में पाया जब परमेश्वर ने उसे छोड़ दिया ताकि उसे परखे। *"तौभी जब बाबेल के हाकिमों ने उसके पास उसके देश में किए हुए चमत्कार के विषय पूछने को दूत भेजे तब परमेश्वर ने उसको इसलिए छोड़ दिया, कि उसको परख कर उसके मन का सारा भेद जान ले"* (2 इतिहास 32:31)।

परमेश्वर अपने लोगों से कहता है, *"मैं ने दुःख की भट्ठी में परखकर तुझे चुन लिया है"* (यशायाह 48:10आ)। दुख (बीमारी और रोग नहीं), कठिनाइयां, और परीक्षाएं *"भट्ठी"* हो सकती है जहां हम परखे जाते और शुद्ध किए जाते हैं। *"और इस कारण तुम मगन होते हो, यद्यपि अवश्य है कि अब कुछ दिन तक नाना प्रकार की परीक्षाओं के कारण उदास हो। और यह इसलिए है कि तुम्हारा परखा हुआ विश्वास, जो आग से ताए हुए नाशमान सोने से भी कहीं, अधिक बहुमूल्य है, यीशु मसीह के प्रगट होने पर प्रशंसा, और महिमा, और आदर का कारण ठहरे"* (1 पतरस 1:6,7)।

5
हर एक जन आग से नमकीन किया जाएगा

मरकुस 9:49,50

49 क्योंकि हर एक जन आग से नमकीन किया जाएगा।
50 नमक अच्छा है,पर यदि नमक की नमकीनी जाती रहे, तो उसे किस से स्वादित करोगे? अपने में नमक रखो, और आपस में मेल मिलाप से रहो"।

आग स्वाद—विकास और परिपक्वता उत्पन्न करती है। स्वादिष्ट बनाना, जो कि नमकीन किए जाने की प्रक्रिया है वह सरंक्षित भी करती है। ध्यान दें यीशु ने कहा प्रत्येक व्यक्ति आग से नमकीन किया जाएगा। ऐसा कोई भी नहीं होगा जो नमकीन किए जाने या, आग से होकर गुजरने की प्रक्रिया से बचेगा। बहुत से मसीही परमेश्वर के इस कार्य से अज्ञान होकर ठोकर खाने लगते हैं जब परमेश्वर उनके जीवनों में नमकीन बनाने की प्रक्रिया को आरंभ करता है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि यदि कोई परमेश्वर के साथ बने रहना चाहता है तो कोई भी नमकीन बनाने की प्रक्रिया का प्रतिकारक् नहीं हो सकता या उसका स्थान नहीं ले सकता। परमेश्वर केवल एक बात चाहता है और वह है उसके हाथों मे समर्पण एवं आधीनता। जब हम आग से स्वादिष्ट बनाने के कार्य से दूर भागने लगते हैं, तब हम हमारे भीतर नमक के अभाव को पाते हैं। हम बिना स्वाद के लोग बन जाते हैं। हम हमारे चारों ओर की दुनिया को प्रभावित नहीं कर सकते।

यीशु के उदाहरण को देखें, यीशु के विषय में भविष्यवाणी करते हुए, पवित्रशास्त्र बताता है,

यशायाह 28:16 (1 पतरस 2:6 भी देखें)
इसलिए प्रभु यहोवा यों कहता है:
"देखो, मैं ने सिय्योन में नेव का पत्थर रखा है,
एक परखा हुआ पत्थर, कोने का अनमोल और अति दृढ़ नेव के योग्य पत्थर:
और जो कोई विश्वास रखे वह उतावली न करेगा।

यीशु को किस प्रकार परखा गया? और इससे उसके जीवन में क्या उद्देश्य सिद्ध हुआ ?

इब्रानियों 2:10
क्योंकि जिस के लिए सब कुछ है, और जिस के द्वारा सब कुछ है, उसे यही अच्छा लगा कि जब वह बहुत से पुत्रों को महिमा में पहुंचाए, तो उन के उद्धार के कर्ता को दुख उठाने के द्वारा सिद्ध करे।

एक बार फिर हम इब्रानियों 5 पढ़ते हैं,

इब्रानियों 5:8,9
[8] और पुत्र होने पर भी, उस ने दुख उठा उठा कर आज्ञा माननी सीखी।
[9] और सिद्ध बन कर, अपने सब आज्ञा मानने वालों के लिए सदा काल के उद्धार का कारण हो गया,

यीशु को भी *"आग से नमकीन"* होकर गुजरना पड़ा। यीशु को पीड़ा सहनी पड़ी और इसी के द्वारा ही उसने आज्ञाकारिता सीखी और स्वयं को हमारे उद्धार का कर्ता होने के योग्य सिद्ध किया। जिन बातों का उसने सामना किया, उनके द्वारा—वह आदर्श बना—पूर्ण बना, और परिपक्वता तक लाया गया।

6
जब हम आग से होकर गुजरेंगे

अय्यूब 23:10-12
10 परन्तु वह जानता है, कि मैं कैसी चाल चला हूं ;
और जब वह मुझे ता लेगा तब मैं सोने के समान निकलूंगा।
11 मेरे पैर उसके मार्गों में स्थिर रहे;
और मैं उसी का मार्ग बिना मुड़े थामे रहा।
12 उसकी आज्ञा का पालन करने से मैं न हटा, और
मैं ने उसके वचन अपनी इच्छा से कहीं
अधिक काम के जान कर सुरक्षित रखे।

शायद आप भी अपने आप को आग के मध्य पाते होंगे। शायद परमेश्वर ने आपके जीवन में स्वाद लाने की (नमकीन बनाने की) प्रक्रिया को आरंभ कर दिया—आपको आग में तपाया जा रहा हो। या, हो सकता है यह आगे के समय में हो, और वह समय आपके जीवन में आना अभी शेष हो। हम जीवन के उस समय और ऋतु के दौरान क्या कर सकते हैं जब परमेश्वर हमें सोनार अर्थात शुद्ध करने वाले की आग से शुद्ध कर रहा हो?

हमारे पास अय्यूब का उदाहरण है। अय्यूब के दोष के बावजूद, हमें उसके जीवन को सराहना है और उसके जीवन से सीखना है। कोई व्यक्ति जो परीक्षाओं और विपत्ति से होकर निकला हो और उन पर विजय प्राप्त की हो उसके पास निश्चित रूप से हमें सिखाने के लिए कुछ मूल्यवान सबक होंगे। अय्यूब ने इस बात की घोषणा की कि परमेश्वर जानता था कि वह किस परिस्थिति से होकर गुजर रहा था और जब वह समय पूरा होगा, वह सोने के समान उभरेगा। हमें इस प्रकार की समझ और दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता है

कि परमेश्वर किन रीतियों द्वारा हमारा मार्गदर्शन करता है। इस समय के दौरान, हमें परमेश्वर के वचन को दृढ़ता से पकड़े रहना है और उससे मुंह नहीं फेरना है।

अय्यूब के विषय में दूसरा महत्वपूर्ण पहलू उसका धीरज है। हमें बताया गया है, *"तुम ने अय्यूब के धीरज के विषय में तो सुना ही है, और प्रभु की ओर से जो उसका प्रतिफल हुआ उसे भी जान लिया है, जिस से प्रभु की अत्यन्त करूणा और दया प्रगट होती है"* (याकूब 5:11आ)। तुम्हारे विश्वास के परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है और, परिणामस्वरूप, यदि हम धीरज को उसका पूरा काम करने दें, हम सिद्ध और परिपूर्ण हो जाएंगे, और हममें किसी भी बात की घटी नहीं रहेगी।

याकूब 1:2-4
[2] हे मेरे भाइयों, जब तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो
[3] तो इसको पूरे आनन्द की बात समझो, यह जान कर, कि तुम्हारे विश्वास के परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है।
[4] पर धीरज को अपना पूरा काम करने दो, कि तुम पूरे और सिद्ध हो जाओ और तुम में किसी बात की घटी न रहे।

जब हम धीरज धरते हैं, उस समय हम परमेश्वर को हमारे भीतर उसके कार्य और उसके अच्छे उद्देश्य को पूर्ण करने की अनुमति देते हैं। अतः, जब हम विभिन्न प्रकार की परीक्षाओं में पड़ें, तो उसे आनंद की बात समझें।

हमारे पास यीशु का भी उदाहरण है जिसने कष्ट सहकर सीखा। ऐसी कई महत्वपूर्ण बातें हैं जो परमेश्वर जीवन के ऐसे मौसमों के दौरान हमारे हृदय में प्रकट करेगा। और हमारे पास परमेश्वर का यह वचन भी है कि, जब हम अग्नि से होकर चलें, हम जलेंगे नहीं और न ही हम उसकी गर्मी से झुलसेंगे।

यशायाह 43:2
जब तू जल में हो कर जाए, *मैं तेरे* संग संग रहूंगा और जब तू नदियों में हो कर चले, तब वे तुझे न डुबा सकेंगी; जब तू आग में चले तब तुझे आंच न लगेगी, और उसकी लौ तुझे न जला सकेगी।

वह इसमें हमारे साथ है अतः, कोई भी बुराई हम पर विजयी नहीं होगी।

7
इन सब का मूल्य

नीतिवचन 25:4
चान्दी में से मैल दूर करने पर
सुनार के लिए एक पात्र हो जाता है।

परमेश्वर के लोग उसका आभूषण हैं। जो उसका भय मानते हैं परमेश्वर उनके विषय में कहता है, *"कि जो दिन मैं ने ठहराया है ... उस दिन वे लोग मेरे वरन मेरे निज भाग ठहरेंगे"* (मलाकी 3:17अ)। उसका आभूषण बनने से पहले, मैल का दूर होना आवश्यक है। कभी-कभी, इसका तात्पर्य यह हो सकता है कि हम कई बार आग में से होकर गुज़रें, *"उस चांदी के समान जो भट्टी में मिट्टी पर ताई गई, और सात बार निर्मल की गई हो"* (भजन संहिता 12:6आ)। किन्तु फिर भी यह बात हमारे मन में आनंद भर देती है कि हम एक दिन उसका निज भाग होंगे! हम उसकी महिमा और बड़ाई के लिए होंगे। वह हम पर गर्व करेगा और हमें "गर्व" से पहनेगा।

प्रेरित पौलुस ने इस बात को चिताया, *"अपने आप को परमेश्वर का ग्रहणयोग्य और ऐसा काम करने वाला ठहराने का प्रयत्न कर, जो लज्जित होने न पाए, और जो सत्य के वचन को ठीक रीति से काम में लाता हो"* (2 तीमुथियुस 2:15)। जिन्हें परखा गया और उसमें खरे उतरे वे परमेश्वर की दृष्टि में ग्रहणयोग्य होंगे, और इस अंत की कटनी को एकत्रित करने के लिए स्वामी के उपयोग के लिए उपयुक्त होंगे। हमें उनसे प्रेम करना सीखना है जो अपने लोगों के लिए एक सोनार अर्थात शुद्ध करने वाले और पवित्र करने वाले के रूप में विराजमान है।

क्या आप उस परमेश्वर को जानते हैं जो आपसे प्रेम करता है?

दो हज़ार साल पहले, परमेश्वर इस संसार में मनुष्य बनकर आया। उसका नाम यीशु है। उसने पूर्ण रूप से निष्पाप जीवन बिताया। यीशु देहधारी परमेश्वर था, इसलिए जो कुछ उसने कहा और किया, उसके द्वारा उसने परमेश्वर को हम पर प्रगट किया। जिन वचनों को उसने कहा, वे परमेश्वर के वचन थे। जिन कामों को उसने किया, परमेश्वर के कार्य थे। यीशु ने इस पृथ्वी पर कई सामर्थ के काम किए। उसने बीमारों को और पीड़ितों को चंगा किया। उसने अन्धों की आंखें खोलीं, बहरे कानों को खोल दिया, लंगड़े चलने लगे। उसने हर प्रकार के रोगों और बीमारियों को चंगा किया। उसने आश्चर्यजनक रूप से कुछ ही रोटियां बहुगुणित कर भूखों को खिलायी, आंधी को थामा और कई आश्चर्यकर्म किए।

ये सारे कार्य हमें दिखाते हैं कि यीशु अच्छा परमेश्वर है, जो चाहता है कि उसके लोग भले, चंगे स्वस्थ और खुश रहें। परमेश्वर लोगों की ज़रूरतों को पूरा करना चाहता है।

फिर परमेश्वर ने क्यों मनुष्य बनने का और हमारे संसार में आने का निर्णय लिया? यीशु क्यों आया?

हम सबने पाप किया है और ऐसे कामों को किया है जो हमें उत्पन्न करने वाले परमेश्वर के सम्मुख अस्वीकारणीय हैं। पाप के परिणाम हैं। पाप परमेश्वर और हमारे बीच एक ऊंची दीवार है जिसे हम लांघ नहीं सकते। पाप हमें परमेश्वर से अलग करता है। वह हमें उस परमेश्वर को जानने और उसके साथ, जिसने हमें बनाया है, अर्थपूर्ण रिश्ता बनाए रखने से रोकता है। इसलिए, हम में से कई लोग अन्य बातों का सहारा लेकर इस खालीपन को भरने की कोशिश करते हैं।

हमारे पापों का अन्य परिणाम है। परमेश्वर से अनंतकाल तक अलगाव। परमेश्वर की अदालत में, पाप का दण्ड मृत्यु है। मृत्यु परमेश्वर से दूर नर्क में अनंतकाल का अलगाव है।

परंतु सुसमाचार यह है कि हम पाप से मुक्ति पाकर परमेश्वर से फिर मेल कर सकते हैं। बाइबल कहती है, ***"क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु***

***परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है"* (रोमियों 6:23)**। यीशु ने सम्पूर्ण जगत के पापों का दण्ड सहा, वह क्रूस पर मर गया। फिर तीसरे दिन वह जी उठा, और उसने कइयों को खुद को जीवित दिखाया और वह स्वर्ग पर चढ़ गया।

परमेश्वर प्रेमी और दयालु है। वह नहीं चाहता कि हममें से कोई व्यक्ति नर्क में नाश हो। और इसलिए वह सम्पूर्ण मानवजाति को पापों और उसके परिणामों से मुक्ति का मार्ग दिखाने के लिए आया। वह पापियों को बचाने के लिए आया—आपके और मेरे जैसे लोगों को पाप और अनंतकाल की मृत्यु से बचाने के लिए।

पापों की यह विनामूल्य क्षमा पाने के लिए बाइबल हमें बताती है कि हमें केवल एक काम करना है—जो कुछ प्रभु यीशु मसीह ने क्रूस पर किया उसे ग्रहण करना और उस पर सम्पूर्ण हृदय से विश्वास करना।

"जो कोई उस पर विश्वास करेगा, उसको उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलेगी" (प्रेरितों के काम 10:43)।

"कि यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा "(रोमियों 10:9)|

यदि आप प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करेंगे, तो आप भी पापों की क्षमा और शुद्धता पा सकते हैं।

प्रभु यीशु मसीह में और जो कुछ उसने आपके लिए क्रूस पर किया उस पर विश्वास करने हेतु निर्णय लेने में आपकी सहायता करने के लिए यहां एक सरल प्रार्थना दी गई है। इस प्रार्थना की सहायता से आप जो कुछ यीशु ने आपके लिए किया, उसे ग्रहण कर सकते हैं और क्षमा और पापों से शुद्धी पा सकते हैं। यह प्रार्थना मात्र मार्गदर्शन के लिए है। आप अपने शब्दों में भी प्रार्थना कर सकते हैं।

प्रिय प्रभु यीशु, जो कुछ आपने क्रूस पर किया उसे मैंने आज समझा है। आप मेरे लिए मर गए, आपने मेरे लिए बहुमूल्य लोहू बहाया और मेरे पापों का

दण्ड चुकाया, ताकि मुझे क्षमा मिल सके। बाइबल बताती है कि जो कोई आप पर विश्वास करेगा वह अपने पापों से क्षमा पाएगा।

आज, मैं आप में विश्वास करने का और क्रूस पर मेरे लिए मरकर और फिर मरे हुओं में से जी उठकर जो कुछ आपने मेरे लिए किया उसे ग्रहण करने का निर्णय लेता हूं। मैं जानता हूं कि मैं अपने भले कामों से खुद को बचा नहीं सकता, न ही और कोई मनुष्य मुझे बचा सकता है। मैं अपने पापों की क्षमा मोल नहीं ले सकता।

आज, मैं अपने हृदय में विश्वास करता हूं और अपने मुंह से कहता हूं कि आप मेरे लिए मर गए, आपने मेरे पापों का दण्ड चुकता किया। आप फिर मरे हुओं में से जी उठे, और आपमें विश्वास करने के द्वारा, मैं पापों की क्षमा और मेरे पापों से शुद्धता पा सकता हूं।

धन्यवाद यीशु। आपसे प्रेम करने, आपको अधिकाई से जानने और आपके प्रति विश्वासयोग्य रहने में मेरी सहायता कीजिए।

आमीन।

ऑल पीपल्स चर्च के विषय में

ऑल पीपल्स चर्च का दर्शन बैंगलोर शहर में नमक और ज्योति, और भारत देश और संसार के राष्ट्रों के लिए एक आवाज़ बनना है।

ऑल पीपल्स चर्च यीशु से **प्रेम रखने वाली, वचन पर केंद्रित, आत्मा से परिपूर्ण** पारिवारिक कलीसिया, एक प्रशिक्षण संस्थान, मिशन आधारित संसार में सुसमाचार करने वाली कलीसिया है।

- एक **पारिवारिक कलीसिया** के रूप में, हम मसीह केंद्रित संगति में एक समुदाय के रूप में एक साथ बढ़ते हैं, परमेश्वर की मण्डली के रूप में प्रेम में एक दूसरे की देखभाल और सेवा करते हैं।
- एक **सुसज्जित करने वाले केंद्र** के रूप में, हम प्रत्येक विश्वासी को विजयी रूप से जीने, मसीह की समानता में परिपक्व होने और उनके जीवनों के लिए परमेश्वर के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सामर्थी बनाते हैं और सुसज्जित करते हैं।
- एक **मिशन के आधार** के रूप में, हम अपने शहर, राष्ट्र और राष्ट्रों को परमेश्वर के वचन और पवित्र आत्मा की सामर्थ के अलौकिक प्रदर्शनों के माध्यम से यीशु मसीह के पूर्ण सुसमाचार के साथ आशीष देने के लिए सार्थक सेवकाई में संलग्न हैं।
- एक **विश्व सुसमाचार प्रचारक** के रूप में, हम ईश्वरीय अगुवों और आत्मा से भरी कलीसियाओं का पोषण करके स्थानीय और विश्व स्तर पर सेवा करते हैं जो परमेश्वर के राज्य के लिए उनके क्षेत्रों को प्रभावित कर सकते हैं।

एपीसी में हम परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन बिना किसी समझोते के साथ पवित्र आत्मा के अभिषेक और प्रकाशन के साथ प्रस्तुत करने के प्रति समर्पित हैं। हमारा विश्वास है कि अच्छा संगीत, रचनात्मक प्रस्तुति, बुद्धिमानीपूर्ण पक्ष समर्थन, समकालीन सेवकाई की तकनीकें, आधुनिक तंत्रविज्ञान आदि पवित्र आत्मा के चिन्हों, चमत्कारों, आश्चर्यकर्मों और पवित्र आत्मा के वरदानों के साथ वचन की घोषणा करने की परमेश्वर द्वारा नियुक्त पद्धति का स्थान नहीं ले सकते (1 कुरिन्थियों 2:4,5; इब्रानियों 2:3,4)। हमारा विषय यीशु है, हमारी विषयवस्तु वचन है, हमारी पद्धति पवित्र आत्मा की सामर्थ है, हमारा आवेश लोग हैं, और हमारा लक्ष्य मसीह सदृश्य परिपक्वता है।

हमारा मुख्यालय बैंगलोर में है, परंतु ऑल पीपल्स चर्च की भारत की अन्य कई स्थानों में शाखाएं हैं। ऑल पीपल्स चर्च की वर्तमान सूची और सम्पर्क सूचना के लिए कृपया हमारे वेबसाईट को भेंट दें**: apcwo.org/locations** या इस पते पर ई-मेल भेजें : **contact@apcwo.org**

निःशुल्क प्रकाशन

A Church in Revival
A Real Place Called Heaven
A Time for Every Purpose
Ancient Landmarks
Baptism in the Holy Spirit
Being Spiritually Minded and Earthly Wise
Biblical Attitude Towards Work
Breaking Personal and Generational Bondages
Change
Code of Honor
Divine Favor
Divine Order in the Citywide Church
Don't Compromise Your Calling
Don't Lose Hope
Equipping the Saints
Foundations (Track 1)
Fulfilling God's Purpose for Your Life
Gifts of the Holy Spirit
Giving Birth to the Purposes of God
God Is a Good God
God's Word—The Miracle Seed
How to Help Your Pastor
Integrity
Kingdom Builders
Laying the Axe to the Root
Living Life Without Strife
Marriage and Family
Ministering Healing and Deliverance
Offenses—Don't Take Them
Open Heavens
Our Redemption
Receiving God's Guidance
Revivals, Visitations and Moves of God
Shhh! No Gossip!
Speak Your Faith
The Conquest of the Mind
The Father's Love
The House of God
The Kingdom of God
The Mighty Name of Jesus
The Night Seasons of Life
The Power of Commitment
The Presence of God
The Redemptive Heart of God
The Refiner's Fire
The Spirit of Wisdom, Revelation and Power
The Wonderful Benefits of Praying in Tongues
Timeless Principles for the Workplace
Understanding the Prophetic
Water Baptism
We Are Different
Who We Are in Christ
Women in the Workplace
Work—Its Original Design

नई पुस्तकें नियमित रूप से प्रकाशित की जाती हैं। PDF, आडियो तथा अन्य फॉर्मेट में विनामूल्य ए. पी. सी. पुस्तकों को डाऊन लोड करने हेतु कृपया **apcwo.org/books** को भेंट दें। इनमें से कई पुस्तकें अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध हैं। वैसे ही, विनामूल्य ऑडियो और वीडियो संदेशों, संदेश की टिप्पणियों, और अन्य कई संसाधनों के लिए हमारे वेबसाईट **apcwo.org/sermons** को भेंट दें।

क्रिसलिस काउंसलिंग

क्रिसलिस काउंसलिंग लोगों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने और उन्हें दूर करने में मदद करने हेतु व्यक्तिगत परामर्श प्रदान करता है। क्रिसलिस काउंसलिंग व्यावसायिक और प्रशिक्षित और अनुभवी मसीही सलाहकारों की एक टीम है।

हमारी सेवाएं सभी आयु वर्ग के लोगों लिए हैं, और जीवन में होने वाली चुनौतियों की विस्तृत श्रृंखला का समाधान करती है।

किशोरों
व्यक्तिगत समायोजन
सम्बंधपरक चुनौतियां
शिक्षा में कम सफलता पाने वाले
कार्य सम्बंधित मुद्दे
परिवार/दम्पत्ति: विवाह पूर्व, वैवाहिक
आत्मिक समस्याएं
माता-पिता / बच्चे / भाई-बहन / सहकर्मी
व्यवहार सम्बंधी विकार
व्यक्तित्व विकार
मनोवैज्ञानिक/भावनात्मक समस्याएं
तनाव / आघात
शराब / नशीली दवाओं का गलत इस्तेमाल
जिंदगी की सीख

क्रिसलिस काउंसलिंग सेवाओं के लिए शुल्क सस्ती और सुलभ है।

हमारे प्रशिक्षित सलाहकारों में से किसी एक के साथ मुलाकात तय करने के लिए

वेबसाइट: **chrysalislife.org**
फ़ोन: +91-80-25452617 टोल फ्री (भारत के अंतर्गत) 1-800-300-00998
ईमेल: **counselor@chrysalislife.org**

क्रिसलिस काउंसलिंग ऑल पीपल्स चर्च एँड वर्ल्ड आउटरीच की सेवकाई है।

ऑल पीपल्स चर्च के साथ साझेदारी करें

ऑल पीपल्स चर्च स्थानीय कलीसिया के रूप में सम्पूर्ण भारत में सुसमाचार प्रचार करते हुए, विशेषकर उत्तर भारत में, उसकी सीमाओं से परे सेवा करता है। उसका विशेष लक्ष्य (अ) अगुवों को दृढ़ करना, (आ) जवानों को सेवकाई के लिए सुसज्जित करना और (इ) मसीह की देह की उन्नति करना है। जवानों के लिए कई प्रशिक्षण सम्मेलन, 'मसीही अगुवों के लिए सभाओं' का सम्पूर्ण वर्ष भर आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकों की कई हजारों प्रतियां अंग्रेजी में और अन्य कई भारतीय भाषाओं में विनामूल्य वितरीत की जाती हैं, उसके पीछे उद्देश्य यह है कि विश्वासियों को वचन और आत्मा में उन्नति प्रदान करें।

हम आपको निमंत्रण देते हैं कि एक समय का दान भेजकर या मासिक आर्थिक दान भेजकर आर्थिक रूप से हमारे साथ साझेदारी करें। सम्पूर्ण राष्ट्र में इस का कार्य के लिए जो भी रकम आप भेज सकते हैं, उसके लिए हम आपके प्रति कृतज्ञ रहेंगे।

आप अपने दान चेक / बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से "ऑल पीपल्स चर्च," बैंगलोर के नाम पर हमारे कार्यालय के पते पर भेज सकते हैं। अन्यथा हमारे बैंक खाते के विवरण का उपयोग कर आप अपना योगदान सीधे बैंक में डाल सकते हैं।

खाता नाम: All Peoples Church
खाता संख्या: 50200068829058
IFSC कोड: HDFC0004367
बैंक: HDFC Bank, 7M/308 80 Ft Road, HRBR Layout, Kalyan Nagar, Bengaluru-560043, Karnataka

कृपया ध्यान दें: *ऑल पीपल्स चर्च केवल भारतीय नागरिकों के बैंक योगदान ही स्वीकार कर सकता है। यदि आप चाहते हैं तो, अपना दान भेजते समय, स्पष्ट रूप से लिखें कि आप एपीसी सेवकाई के किस क्षेत्र के लिए दान भेजना चाहते हैं। अतिरिक्त जानकारी के लिए कृपया इस स्थान को भेंट दें* ***apcwo.org/give***

उसी तरह, हमारे लिए और हमारी सेवकाई के लिए जब भी हो सके, प्रार्थना करना न भूलें।

धन्यवाद और परमेश्वर आपको आशीष दे!

DOWNLOAD THE FREE APP!

Search for
"All Peoples Church Bangalore"
in the App or Google play stores.

Available on the App Store

ANDROID APP ON Google play

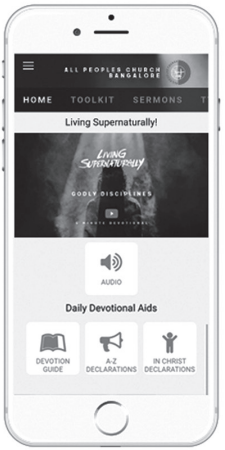

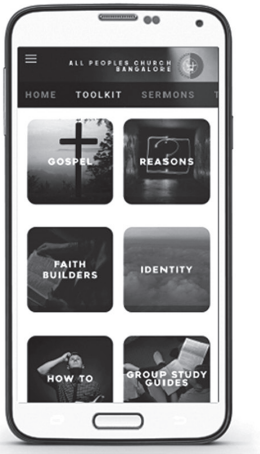

A daily 5-minute video devotional.
A daily Bible reading and prayer guide.
5-minute Sermon summary.
Toolkit with Scriptures on various topics to build faith and information to share the Gospel.
Resources with sermons, sermon notes, TV programs, books, music and more.

IF YOU LOVE IT, TELL OTHERS ABOUT IT!

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज

apcbiblecollege.org

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज एंड वर्ल्ड आउटरीच भारत के बैंगलोर में आत्मा से परिपूर्ण, अभिषिक्त, सक्रिय सेवकाई में सहभागी प्रशिक्षण और सिद्धांत की दृष्टि से सही एवं परमेश्वर के वचन के बौद्धिक दृष्टि से प्रेरणादायक अध्ययन के साथ पवित्र आत्मा की अलौकिक सामर्थ में सेवकाई के लिए तैयारी प्रदान करता है। हम सेवकाई के लिए सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास में विश्वास करते हैं और ईश्वरीय चरित्र, परमेश्वर के वचन में गहरी बुनियाद, और चिन्ह, चमत्कारों और आश्चर्यकर्मों पर ज़ोर देते हैं—सब कुछ प्रभु के साथ निकट रिश्ते से प्रवाहित होता हुआ।

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज (एपीसी-बीसी)में सही शिक्षा के अतिरिक्त, हम प्रत्यक्ष रूप से परमेश्वर के प्रेम, पवित्र आत्मा का अभिषेक और उपस्थिति और परमेश्वर के अलौकिक कार्य पर बल देते हैं। कई युवा स्त्री और पुरुषों ने प्रशिक्षण पाया है और उनके जीवनों में परमेश्वर की बुलाहट को पूरा करने हेतु उन्हें बाहर भेजा गया है।

निम्नलिखित तीन पदवियां दी जाती हैं :

- ईश्वर-विज्ञान और मसीही सेवकाई में एक वर्षीय प्रमाणपत्र (C.Th)
- ईश्वर-विज्ञान और मसीही सेवकाई में दो वर्षीय प्रमाणपत्र (D.Th)
- ईश्वर-विज्ञान और मसीही सेवकाई में तीन वर्षीय प्रमाणपत्र (B.Th)

हर सप्ताह के दिन, **सोमवार से शुक्रवार तक भारतीय समय के अनुसार सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक (UTC+5:30)** कक्षाएं ली जाती हैं।

- **ऑन-कैम्पस**: कैम्पस में व्यक्तिगत कक्षाओं में भाग लीजिए
- **ऑनलाइन**: ऑनलाइन लाइव व्याखान में भाग लीजिए
- **ई-लर्निंग**: ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं की सुविधानुसार सीखनें के लिए **apcbiblecollege.org/elearn**

ऑनलाइन आवेदन हेतु, और कॉलेज, पाठ्यक्रम, पात्रता मानदंड, शिक्षण शुल्क और आवेदन पत्र डाउनलोड करने के विषय में अधिक जानकारी हेतु, कृपया इस वेबसाईट का अनुसरण करें: **apcbiblecollege.org**

उन तरीकों को जानना बड़ी उत्सुकता की बात है जिनके द्वारा परमेश्वर अपने लोगों के मनों और जीवनों में कार्य करता है। हम जितना अधिक परमेश्वर के द्वारा उसके लोगों के साथ व्यवहार करने के तरीकों को जानते हैं, हमारे लिए उसकी आधीनता में रहना और उसके अनुसार जीना उतना ही आसान हो जाता है। जब हम उसके कार्य करने के तरीकों के विषय में अज्ञान रहते हैं तभी हम ढ़ीठ बनते हैं और अपने तरीके से चलने का प्रयत्न करते हैं। परमेश्वर हमें इस बात को पहचानने का अनुग्रह देता है कि वह उसके लोगों के परिष्कारक और शुद्ध करने वाले के रूप में बैठा है। यीशु ऐसी कलिसिया को लेने आएगा जो बिना दाग और झुर्री के हो। इसके लिए शुद्धिकरण की प्रक्रिया आवश्यक होगी। यह पुस्तक हमें परमेश्वर के तरीकों और उसके उद्देश्यों के विषय में बुद्धिमान बनाएगी।

All Peoples Church & World Outreach
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email: contact@apcwo.org
Website: apcwo.org